भटनागर सभा

उदयपुर–313001

(INFORMATION BULLETIN)

सूचना-पत्र

चित्रांश रमेश चन्द्र
अध्यक्ष

•

अशोक जालोरी
महामंत्री

•

कैलाश नारायण मोलावत
समाज एवं सां. मंत्री

वर्ष 13, अंक–42
15 अगस्त, 2001

❖

सम्पादक मण्डल

डॉ. राजेन्द्र मोहन

•

मोहन सिंह जालोरी

•

विजय चन्द चोण्डावत

•

अरुणा गुहानिया

सुस्वागतम–अभिनन्दन

आदरणीय चित्रांश बन्धुगण

सादर अभिवादन!

स्वाधीनता दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक अभिनन्दन एवं मंगल कामनाएँ।

पिछली शताब्दी में भटनागर सभा ने अपने प्रादुर्भाव उपरान्त, विविध उतार–चढ़ाव के बाद शिशुकाल से यौवन की दहलीज पर कदम रखा और इसी बीच अन्तिम दशाब्दी के मध्य पूर्व काल में रजत जयन्ती का प्रस्ताव आया उसे हर्षोल्लास पूर्वक मनाने का भरसक प्रयास किया गया, जिसकी मधुर स्मृतियों को समाज के गणमान्य महानुभाव आज भी अपने जहन में संजोये हुए हैं और बातचीत के संदर्भ में मुक्त कंठ से प्रशंसा करने में किसी प्रकार का संकोच नहीं करते। **रजत जयन्ती वर्ष की अवधि सामाजिक कार्यों में मील का एक पत्थर साबित हुई।** ऐसी आशा एवं विश्वास का प्रादुर्भाव हुआ कि नवीन चेतना का नवसंचार अवश्यभावी है। साथ ही चुनावों की गहमागहमी एवं उत्साह भी प्रशंसनीय रहा। समाज की प्रथम महिला अध्यक्ष ने बहुमत से विजयश्री हासिल की तथा निर्वाचन कार्यकारिणी द्वारा एक बेहतरीन एवं व्यवस्थित मंच पर न्यायिक क्षेत्र की विशिष्ट हस्ती के माध्यम से समाज के सभी क्षेत्रों से पधारे हुए महानुभावों की उपस्थिति में शपथ ग्रहण की।

कुछ विशेष करने की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचय दिया। कुछ प्रयास निश्चित रूप से हुए, लेकिन आपसी तालमेल या स्पष्ट दिशा/निर्देश के अभाव में अपेक्षाकृत कार्य सम्भव नहीं हो सके और इसी बीच सभा के संविधान द्वारा निर्धारित सेवा अवधी समाप्त हो गई लेकिन कलम–दवात के आदर्श के बावजूद एक ओर उस अवधि में सेवारत कार्यकारिणी ने एक लम्बे समय तक चुनाव की घोषणा नहीं की, वहीं दूसरी ओर समाज का जागरूक मतदाता भी मौन एवं मूक दर्शक बना रहा। इस संदर्भ में इसी कलम ने एकाधिक बार चर्चा के छुटपुट प्रयास भी किये। अन्ततः रजत जयन्ती वर्ष के सेवा प्रमुख ने साधारण सभा की बैठक आहूत कर नवीन चुनाव का रास्ता साफ किया। 1998 में चुनाव सम्पन्न हुए लेकिन अवधि ने घोर निराशा व्याप्त कर दी। परिणाम स्वरूप उत्साह व उमंग का नितान्त अभाव रहा। निर्वाचन की घोषणा एवं मनोनयन की प्रक्रिया उपरान्त विविध क्षेत्रों में वर्तमान कार्यकारिणी ने पहल की, नवीन सदस्यता अभियान चलाया, सूचना–पत्र को निरन्तरता प्रदान की गई, समय–समय पर अभ्यंतर गतिविधियों के आयोजन किये गए, पारिवारिक सूचना–पत्र घर–घर भिजवाकर उन्हें पूर्ण भरकर लौटाने का आग्रह किया गया, मेला, पिकनिक, लाटरी के आयोजन हुए, सम्मान–समारोह का सफल आयोजन संभव हुआ और साथ ही नवीन भूमि क्रय कोष की स्थापना की गई जिसमें जहां एक ओर शहर के विभिन्न इलाकों के परिजनों ने महत्वपूर्ण अंशदान किया वहीं दूसरी ओर देश/विदेश में बसे चित्रांश परिजनों (भटनागर सभा के आजीवन/संरक्षक सदस्य) ने भी अपना अंशदान भिजवाकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्द्धन किया। इसी दरम्यान चिर प्रतीक्षित साधारण सभा की बैठक आहूत की गई जिसमें कार्यकारिणी द्वारा प्रस्तुत विभिन्न बिन्दुओं पर उपस्थित सदस्यगणों द्वारा बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया गया। छोटी उम्र के बालक/बालिकाओं की सदस्यता राशि जमा कराकर उन्हें 18 वर्ष पर ही मताधिकार की बात पूर्णतः निरस्त

करते हुए शेष बिन्दुओं पर मूल रूप से या आंशिक रूप परिवर्तन उपरान्त स्वीकृति प्रदान की गई। एक अन्य प्रस्ताव जो सभा की ओर से ही आया उस पर चर्चा एवं पूर्ण सहमति उपरान्त कार्यकारिणी का सेवाकाल तुरन्त प्रभाव से 2 वर्ष की अवधि से बढ़ाकर तीन वर्ष कर दिया गया, जिसके विरोध में एक भी मत नहीं आया।

इस एक बहुमूल्य वर्ष को बढ़ाये जाने से वर्तमान कार्यकारिणी पिछली शताब्दी की अन्तिम समयावधि में सेवारत रही, वहीं नवीन सहस्त्राब्दी के प्रथम वर्ष में भी सेवा का सुअवसर मिला जिसे पूर्व में भी रेखांकित किया गया। इस बढ़ी अवधि का लाभ समाज की बेहतर सेवा भावना से करने की अभिलाषा का मूल्यांकन आपको ही करना है। अपनी सेवा अवधि में किये गये कार्यों का लेखा-जोखा भटनागर दर्पण के माध्यम से दीपावली के पावन अवसर पर ही प्रस्तुत करना संभव होगा एवं चुनाव के मद्देनजर यही बेहतर होगा लेकिन चुनाव से पूर्व पिछले दिनों आयोजित अभ्येत्तर गतिविधियों के पारितोषिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के लिये प्रयासरत हैं। साथ ही शैक्षणिक उपलब्धियों को भी सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है। पिछले दिनों खेलकूद सम्बन्धी गतिविधियों के बकाया पारितोषिक (1993 के बाद की अवधि के) वितरित किये जा चुके हैं लेकिन इसी अवधि विशेष की शैक्षणिक एवं अभ्येत्तर उपलब्धियों को हमने सम्मानित करने का मानस बनाया था जिसे हम आगामी अभिनन्दन 2001 के समापन कार्यक्रम में क्रियान्वित करने को प्रयासरत हैं। परिवार निर्देशिका का प्रकाशन भी इसी अवसर विशेष पर प्रस्तावित है।

सेवाकाल में न केवल शहर अपितु देश-विदेश में बसे सभी चित्राश परिजनों ने जो बहुमूल्य सहयोग, स्नेह, अपनत्व एवं समय-समय पर मार्गदर्शन प्रदान किया उससे मैं अभिभूत हूँ। स्वयं अपनी ओर से, कार्यकारिणी एवं विविध समितियों के सदस्यगणों की ओर से हार्दिक आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करता हूँ कि उन्होंने न केवल सेवा का अवसर प्रदान किया अपितु तन, मन, धन से जो समाजहित में अनुदान एवं सहयोग प्रदान किया, उसकी व्यक्तिशः चर्चा संभव नहीं है, लेकिन इस सम्बन्ध में संभव हुआ तो एक विस्तृत विवेचना तुलनात्मक अध्ययन के रूप में प्रस्तावित है ताकि हर परिवार एक दृष्टि में समाजहित में किये गये अनुदान का मूल्यांकन स्वयं कर सकें।

अन्त में आप सभी सदस्यगणों से विनम्र आग्रह है कि आगामी मतदान के अवसर पर स्व-विवेक से समाज हित में मतदान कर कार्य सेवा की निरन्तरता बनाए रख सकें तो यह हम सभी के लिये हितकर होगा। साथ ही भटनागर सभा के सक्रिय सदस्य के नाते यह आग्रह करना चाह रहा हूँ कि प्रबुद्ध समाज का जागरूक मतदाता यदि समाज हित के बारे में पहल नहीं करेगा, समय-समय पर कार्यों की लिखित एवं मौखिक व्याख्या नहीं करेगा और आवश्यकता पड़ने पर साधारण सभा रूपी मंच का इस्तेमाल नहीं करके किसका हित-अहित करेगा यह एक विचारणीय मुद्दा है। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यदि सभा के सक्रिय सदस्यों ने अपनी जागरूकता का आंशिक परिचय भी समय-समय पर दिया तो सेवारत कार्यकारिणी कार्य सेवा सम्बन्धी तत्परता एवं निरन्तरता का मुद्दा ठण्डे बस्ते में नहीं डाल सकेगी। यही समाजहित में एक लाभकारी कदम होगा।

इति शुभम्।

भटनागर सभा का है यह सपना
उदयपुर शहर में नवीन नोहरा हो अपना

आपका भवनिष्ठ,
(चित्राश रमेश चन्द्र)
अध्यक्ष

मेला 2001 - सम्पन्न

भटनागर सभा द्वारा 10 जून, 2001 को स्थानीय ओसवाल भवन में मेला आयोजित किया गया। समाज के हर आयु के लोगों ने सायंकाल 6 बजे से रात्रि करीब 10.30 बजे तक अपनी उपस्थिति से मिलन, मनोरंजन के साथ-साथ व्यापारिक सम्बन्धों की प्रगाढ़ता का भी परिचय दिया।

सामाजिक समरसता से ओतप्रोत इस मेले में 20 दुकानें लगाई गई थीं जिनमें चाट, नमकीन, मिठाई, फास्टफूड के अतिरिक्त बच्चों के खिलौने भी बिक्री के लिये आकर्षण का केन्द्र थे। रंगीन गुब्बारे एवं पुपाड़ियों ने मेले को और भी रंगीन बना दिया। साथ ही अमेरिकन ज्वेलरी, फोटो पोस्टर्स, जींस पर पेन्टिंग के काम को न केवल सराहा गया, अपितु खरीदा भी गया। मेले में सामग्री क्रय करने के लिये कूपन व्यवस्था के लिये वित्तीय समन्वयक श्री अरविन्द सहीवाला एवं श्री ओम प्रकाश जालोरी थे। इस अवसर पर आयोजित बालकों की फेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में अभिभावकों सहित बालकों में अत्यन्त उत्साह देखा गया। मेले की समग्र व्यवस्था श्री कैलाश नारायण मोलावत एवं श्री देवेश मोलावत द्वारा की गई, जिसकी मेला प्रांगण में सर्वत्र प्रशंसा की गई।

भूल सुधार

- **गुजरात भूकम्प सहायतार्थ –**
  श्रीमती आनन्द मुन्शी पत्नी श्री पी.जे. मुन्शी रु. 1001/-
- **नवीन सदस्यता आजीवन**
  श्रीमती शिव कुमारी पत्नी श्री सौभाग्य सिंह जी चोण्डावत रु. 200/-
- **नवीन भूखण्ड अनुदान**
  श्री सौभाग्य सिंह पुत्र श्री गोपाल लाल जी चोण्डावत रु. 1001/-
  श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री नाथुलाल जी गुढेलिया रु. 501/-
- **श्रद्धा सुमन द्वारा**
  श्री जसवन्त सिंह जी चोण्डावत, श्री महेश, श्रीमती अनिता, मयंक, मयूर एवं परिवार जन
- **श्रद्धा सुमन – द्वितीय पुण्यतिथि**
  निर्वाण 17 अप्रेल, 1999 स्व. श्रीमती साधना
- **नवजात शिशु – बधाई**
  10.9.2000 श्रीमती शिल्पा एवं श्री राजेश गुढ़ेलिया

अध्येत्तर शैक्षणिक एवं उपलब्धियाँ

- उदयपुर के खेल गौरव श्री सुधीर बक्षी पुत्र स्व. श्री गोपाल सिंह जी को राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद का सदस्य मनोनीत किया गया।
- श्रीमती मंजु महिमा भटनागर पत्नी श्री सुनील कुमार जी चोण्डावत को हिन्दी साहित्य अकादमी, गुजरात की ओर से श्रेष्ठ पुस्तक सत कवि आनंदघन व उनकी पदावली के प्रकाशनार्थ सहयोग राशि रु. 9000/– तथा काव्य संग्रह देवदार के लिये रु. 10,000/– की सहयोग राशि स्वीकृत की गई।
- समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले में संचालित छात्रावासों में वित्तीय वर्ष 2000–01 के लिये चयनित सर्वश्रेष्ठ अधीक्षक श्री करण प्रकाश कालावत को शाल ओढ़ाकर एवं रु. 1001/– नकद प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम, अनुशासन एवं बच्चों में श्रेष्ठ संस्कार आदि को मद्देनजर रखते हुए दिया गया।
- राष्ट्रीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में सुश्री कनिका पुत्री श्री मुकेश जी भटनागर ने गणित विषय में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रमाण–पत्र हासिल किया।
- अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (उदयपुर संभाग) द्वारा "ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता एवं इससे उपभोक्ता एवं राष्ट्र को लाभ" विषय पर श्री जय पुत्र श्री राधेश्याम जी भटनागर ने कनिष्ठ वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर प्रशस्ति पत्र अर्जित किया।
- सुश्री सुमिता सुनील भटनागर पौत्री स्व. श्री नारायण चन्द जी चोण्डावत ने पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा इन हाउसिंग प्लानिंग में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर CEPT, अहमदाबाद से स्वर्ण पदक एवं राशि रु. 1000/– प्राप्त की।
- यु.जी.सी. द्वारा आयोजित लेक्चररशिप पात्रता परीक्षा (NET) उत्तीर्ण
  - श्री अनिल चोण्डावत पुत्र श्री विजय चन्द्र जी ने व्यवसाय प्रशासन में
  - श्री अनुज चोण्डावत पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार जी ने इतिहास विषय में
  - सुश्री तिथी नागोरी पुत्री श्री राकेश जी ने मनोविज्ञान विषय में।
- सुश्री तिथि भटनागर पुत्री श्री राकेश जी ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की वर्ष 2001 में आयोजित स्नातकोत्तर मनोविज्ञान परीक्षा में **वरीयता सूची में प्रथम स्थान** प्राप्त किया।
- श्री समीर भटनागर पुत्र श्री प्रदीप जी ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की वर्ष 2001 में आयोजित श्रम कल्याण, श्रम विधि एवं कार्मिक प्रबन्धक डिप्लोमा पाठ्यक्रम में **वरीयता सूची में प्रथम स्थान** प्राप्त किया।
- श्री आशिष भटनागर पुत्र श्री सत्यनारायण जी ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की वर्ष 2001 में M.Sc. (Final) पर्यावरण विज्ञान परीक्षा में **वरीयता सूची में प्रथम स्थान** प्राप्त किया।
- सुश्री कृतिका सहीवाला पुत्री श्रीमती महिमा एवं श्री देवेन्द्र जी ने **आठवीं बोर्ड की वरीयता सूची** में 65 वां स्थान प्राप्त किया।

8वीं बोर्ड	श्री सौरभ पुत्र श्री देवेश मोलावत	88.16 प्रतिशत
8वीं बोर्ड	सुश्री महिमा पुत्री श्री गगन राज भटनागर	79.6 प्रतिशत
8वीं बोर्ड	सुश्री रुचि पुत्री श्री मुकेश भटनागर	77.3 प्रतिशत
माध्य. बोर्ड	सुश्री स्वाति पुत्री श्री जगदीश भटनागर	82 प्रतिशत
के.मा.बोर्ड, 01	श्री महक पुत्र श्री चेतन भटनागर	81.6 प्रतिशत
के.मा. XII	श्री पुनीत पुत्र श्री विष्णु गोरावत	79.8 प्रतिशत
गुजरात हा.से.	सुश्री नुपर रमेश भटनागर	71.33 प्रतिशत
एम.बी.ए.	श्रीमती सरिता पत्नी श्री विकास मोलावत	62.16 प्रतिशत

प्रतिलिपि विलम्ब से प्राप्त – सूचनार्थ

के.मा. बोर्ड X 1998	श्री विशाल भटनागर	85.2 प्रतिशत
के.मा. बोर्ड XII 2000	श्री विशाल पुत्र श्री मनोज भटनागर	83.2 प्रतिशत

आराध्यदेव श्री चित्रगुप्त जी महाराज 'कथा एवं पूजन'

दीपावली 01 – श्री ललित कुमार मोलावत, पुत्र श्री कन्हैयालाल जी

होली 02 – श्री बृजमोहन एवं श्री कमल सिंह नागोरी पुत्र श्री दुल्हे सिंह जी

दीपावली 02 – श्री सुरेश चन्द्र पचवारिया, पुत्र श्री तेजसिंह जी

नवीन भूखण्ड के संदर्भ में नवीनतम जानकारी

भटनागर सभा, उदयपुर का एक प्रतिनिधि मण्डल श्री ललित बिहारी बक्षी के नेतृत्व में पूर्व निर्धारित समयानुसार श्री रूप कुमार जी खुराना, अध्यक्ष, नगर विकास प्रन्यास से उनके कार्यालय कक्ष में मिला। प्रतिनिधि मण्डल में सर्वश्री ललित बक्षी, श्री रणवीर बक्षी, सुश्री प्रमोदिनी, दिनेश रमेश चन्द्र एवं श्री अशोक जालोरी उपस्थित थे। इस समयावधि में अत्यधिक व्यस्तता के कारण डा. श्री अरविन्द भटनागर, डॉ. श्री बी.पी. भटनागर एवं श्री सुधीर बक्षी उपस्थित नहीं हो सके। सदस्यगणों द्वारा अध्यक्ष महोदय से पुरजोर आग्रह किया गया कि 18 अप्रेल, 1994 से समय–समय पर आग्रह एवं आवेदन उपरान्त भी आज तक कोई सहयोगात्मक आश्वासन नहीं दिया गया। जिससे उक्त सम्पूर्ण पत्रावली एवं सम्बन्धित प्रपत्र का सम्पूर्ण दस्तावेज एक बार पुनः प्रस्तुत करते हुए उनसे आग्रह किया गया कि इस दिशा में उचित कार्यवाही कर भटनागर समाज को सामाजिक कार्यों के निष्पादन हेतु अविलम्ब वांछनीय भूमि का आवंटन कर सहयोग करावें। सचिव महोदय द्वारा जून माह की बैठक में उपयुक्त निर्णय लिये जाने का आश्वासन दिया गया। साथ ही कृषि भूमि क्रय कर उसे परिवर्तित कराने का बहुमूल्य सुझाव भी दिया गया। एक स्मरण – पत्र पुनः दिनांक 8.7.2001 को अध्यक्ष, भटनागर सभा द्वारा व्यक्तिगत रूप से सचिव, नगर विकास प्रन्यास को प्रस्तुत कर आग्रह एवं अनुरोध किया गया परन्तु कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। परिणाम स्वरूप प्रयास जारी है।

भटनागर दर्पण - 2001

- सामाजिक परिपेक्ष्य में स्व–रचित रचनाएं 15 सितम्बर, 2001 तक आमंत्रित है।
- स्मारिका विज्ञापन में आपका सक्रिय सहयोग वांछनीय है, कृपया विज्ञापन प्रपत्र अध्यक्ष / महामंत्री से प्राप्त करने का श्रम करावें।
- भटनागर दर्पण विशेषांक में अपने परिवारजनों की विशेष उपलब्धि / प्रसन्नता अथवा श्रद्धासुमन के प्रकाशन हेतु अग्रलिखित अनुदान भटनागर सभा, उदयपुर के नाम चैक अथवा नकद, 15 सितम्बर, 2001 तक अध्यक्ष के पास भिजवाने का श्रम करावें।

राशि रुपया	
पूरा पृष्ठ	1000/–
आधा पृष्ठ	700/–
चौथाई पृष्ठ	400/–

अनुदान स्थिति

इस सूचना – पत्र के माध्यम से आप स्वजनों से आग्रह है कि यदि वर्तमान कार्यकारिणी के सेवाकाल में आपने किसी भी कोष के लिये अनुदान दिया है, एवं उसकी रसीद यदि आपको प्राप्त नहीं हुई अथवा सूचना – पत्र में नाम प्रकाशित नहीं हुआ है, तो कृपया अविलम्ब दूरभाष अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यकारिणी के पदाधिकारियों में से किसी भी एक से सम्पर्क कर या अभिव्यक्ति सीधे अध्यक्ष, भटनागर सभा को प्रेषित करावें। आभार

बधाई एवं मंगल कामनाएं

नवजात शिशु के आगमन पर

- 29.4.2001 श्रीमती अंजली पत्नी श्री प्रवीण साचोरा – पुत्र
- 19.7.2001 श्रीमती अनिता पत्नी श्री महीप मोलावत – पुत्री
- 24.7.2001 श्रीमती ऋतु पत्नी श्री गिरीश राज – पुत्री
- 2001 श्रीमती ऋतु पत्नी डॉ. श्री तरूण – पुत्री

नव दाम्पत्य जीवन

- चि. राजेश पुत्र श्रीमती गिरीराज एवं श्री विजय चन्द्र जी खोण्डावत संग सौ.का. अंजलि पुत्री श्रीमती कमला देवी एवं श्री बृज बिहारी लाल जी जालोरी 27.4.2001

नवीन भूमि क्रय - कोष अनुदान हेतु आभार

श्रीमती डॉ. कुसुम पंचोली, पत्नी श्री डॉ. सुनील	रु. 50000/–	3524
श्री सुनील खोण्डावत पुत्र श्री उम्मेद सिंह जी	रु. 1300/–	3526
श्रीमती भगवती एवं श्री प्रभुदयाल मोलावत	रु. 1111/–	3528
श्री बृजमोहन नागोरी पुत्र स्व. श्री दुलेसिंह जी	रु. 1001/–	3522
श्रीमती आशा सरसौवालमहता पत्नी श्री राजेश जी	रु. 501/–	3523
श्रीमती चन्द्रकान्ता गढ़ीवाल पत्नी श्री श्याम सुन्दर जी	रु. 501/–	3525
श्री सौभाग्य सिंह पुत्र स्व. श्री भीमसिंह जी	रु. 501/–	3527
श्रीमती अंजलि एवं श्री राजेश खोण्डावत	रु. 501/–	3529

पंचायती नोहरा नवीन परिदृश्य में

वर्तमान कार्यकारिणी द्वारा गणेशघाटी स्थित पंचायती नोहरे की वांछनीय क्रयबद्धता के संदर्भ में जिर्णोद्धार करवाकर अन्ततः एक नवीनता का आभास स्वतः ही परिलक्षित होने पर प्रसन्नता होना स्वाभाविक है। मरम्मत, रंगरोगन, पुताई एवं सफाई उपरान्त समाज के ही एक युवा साथी **श्री आदेश कालावत** को विद्यालय चलाने को 5 वर्ष की समयावधि हेतु दिया गया है जिसके दस्तावेज तैयार कर राशि रुपये 50,000/– के चैक प्राप्त कर लिये गये हैं। इस संदर्भ में पूर्ण दस्तावेज आवश्यकतानुसार भविष्य में आयोजित साधारण सभा की बैठक में प्रस्तुत किये जा सकेंगे।

विनम्र अनुरोध

परिवार निर्देशिका (दूरभाष) का प्रकाशन कार्य प्रारम्भ हो चुका है। आप एक जिम्मेदार एवं प्रबुद्ध नागरिक के कर्त्तव्य एवं सहयोग की भावना से कृपया अपने क्षेत्रीय प्रतिनिधि से दूरभाष/व्यक्तिगत सम्पर्क कर पूर्ण आश्वस्त होने का श्रम करावें कि निकट भविष्य में प्रकाशित होने वाली इस पुस्तिका में आपके परिवार के मुखिया का नाम, पिता/पति का नाम, पत्र – व्यवहार का पता, गौत्र एवं दूरभाष/मोबाइल नम्बर सभी सही हैं।

नवीन गृह प्रवेश – बधाई

- 4.5.2001 श्रीमती अनिता एवं श्री चेतन भटनागर
  17, शान्ति नगर, लक्ष्मीनारायणनगर मार्ग
  सविना फाटक के पास, भटमेवाड़ा कॉलोनी, उदयपुर
- 4.5.2001 श्रीमती वन्दिका एवं श्री मनोज चोण्डावत
  51, टेक्नोक्रेट सोसायटी, बेदला रोड
  अपोलो अपार्टमेन्ट के पीछे, उदयपुर
  दूरभाष : (नि.) 452318 / 527839
- 4.5.2001 श्रीमती निधि एवं श्री राकेश चोण्डावत
  10, न्यू केशव नगर, रूप सागर पाल, उदयपुर
  दूरभाष : (नि.) 526674
- 13.5.2001 श्रीमती साधना एवं श्री रमेश चोण्डावत
  'अलकृत', 135 एफ–ब्लॉक, सेक्टर–14, उदयपुर.
  दूरभाष : 488424
- 27.5.2001 श्रीमती किरण एवं श्री गौरी शंकर भटनागर
  4–ए–2, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर–7
  पानेरियों की मादड़ी, गुप्तेश्वर कॉलोनी
  पानी की टंकी के पास, उदयपुर
- 2001 श्रीमती सीमा एवं श्री संजय मोलावत
  5/199, आवासन– मण्डल कॉलोनी
  गोवर्धन विलास, सेक्टर–14, उदयपुर
  दूरभाष : 486044 पीपी

विविध जानकारी – सूचनार्थ

लोहे का एक पुराना कढ़ाव, जो चित्रगुप्त मन्दिर, पटपड़ा के पीछे गली में एक लम्बे समय से पड़ा था समाज के बुजुर्ग महानुभावों द्वारा लिखित एवं मौखिक रूप से ध्यान आकर्षित कराने पर अन्ततः 6.5.2001 को बेच दिया गया। इसका वजन अनुमानतः 50 किलो था, 5/– प्रति किलो की दर से बेचकर रुपये 250/– सभा कोष में जमा करा दिये गये हैं।

निबन्ध प्रतियोगिता

सौजन्य से – डॉ. श्रीमती कुसुम एवं डा. श्री सुनील पंचोली

विषय हिन्दी– "भटनागर सभा के अगले 10 वर्ष – समाजोन्नति एवं प्रगति के लिये क्या किया, क्या कर रहे है एवं क्या करना चाहिये"

Next ten years of Bhatnagar Sabha - "What has been done, what is being done and what needs to be done for the societal progrers and development?"

वर्ग – (1) 21 वर्ष से कम आयु के युवक – युवतियाँ
(2) 21 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष – महिलाएँ।

अन्तिम तारीख – 30 सितम्बर, 2001

विशेष – हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में लिखा हो।
– टाईप या सुस्पष्ट भाषा में लिखा हो। आयु सीमा नहीं।
– आवरण पृष्ठ पर नाम, पिता/पति का नाम, पत्र–व्यवहार का पता, गौत्र एवं दूरभाष नम्बर लिखे हों।
– आवरण पृष्ठ का पिछला भाग खाली रखते हुए सहयोग करावे।

पारितोषिक – राशि रुपये 1000/– नकद प्रत्येक ग्रुप में प्रथम स्थान पर आने वाले को।

नवीन सदस्यता ग्रहण हेतु आभार

संरक्षक सदस्य राशि रु. 500/–
श्री राजेश पुत्र श्री कन्हैयालाल जी

विशेष सूचना

नवीन कार्यकारिणी हेतु मतदान 14 अक्टूबर, 2001

अभिनन्दन

सांस्कृतिक संध्या, पारितोषिक वितरण
भटनागर दर्पण एवं परिवार निर्देशिका का विमोचन
28 अक्टूबर, 2001

मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिताएं

दिनांक 19 अगस्त, 2001
स्थान 171, भूपालपुरा (महामंत्री निवास)

मेहंदी	अपराह्न 3 से 4 बजे तक
रंगोली	अपराह्न 4.30 से 5.30 बजे तक

विचार मन्थन

- पाण्डुवाड़ी से श्री कृष्णकान्ता पचवारिया ने भारतीय नववर्ष पर प्रकाशित सूचना–पत्र के साथ नीमपत्ती, काली मिर्च एवं मिश्री को प्रसाद स्वरूप वितरित करने हेतु आभार व्यक्त करने के साथ ही प्रकाशन में त्रुटि सुधार एवं वितरण में पूर्णता प्राप्त करने का विश्वास अभिव्यक्त किया।
- बोहरा गणेशजी से श्री रवि भटनागर ने सभा से यह अपेक्षा व्यक्त की कि वह "श्री चित्रगुप्ताय नमः" का मोनोग्राम सभा द्वारा बनवाकर समाज के प्रत्येक परिवार को लागत मूल्य पर उपलब्ध करायें, ताकि प्रत्येक घर के मुख्य द्वार अथवा भीतर लगाकर अलग पहचान कायम कर सकें। इसी प्रकार छोटे मोनोग्राम सशुल्क उपलब्ध कराकर वाहनों पर लगाये जाने को प्रेरित कर सकें।
- अमेरिका से डॉ. श्री सुनील पंचोली ने अपने 4 जून, 01 के पत्र में लिखा कि टेलीफोन एवं ई–मेल से मालूम हुआ कि सभी लोग मिलकर प्रयास कर रहे हैं अतः नवीन भूमि क्रय करने की बात अब सच होने को है। पूर्व में आप लोगों द्वारा रुपये 50,000/– एकत्र करने पर इतनी ही राशि का चैक संलग्न है। साथ ही दीपावली से पूर्व यदि सभा 25,000/– रुपया और एकत्र करती है, तो उदयपुर आगमन पर इतनी ही राशि का चैक और देना चाहेंगे। भटनागर सभा के हर वर्ग के, हर उम्र की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये एक निबन्ध प्रतियोगिता प्रस्तावित की है। साथ ही आगामी उदयपुर प्रवास के दौरान 3 नवम्बर, 2001 को कार्यकारिणी के सदस्यगणों से मिलकर विचार–विमर्श की अभिलाषा व्यक्त की है।
- श्री मोहन सिंह जी जालोरी ने समाजहित की अभिव्यक्ति पर अपनी अभिव्यक्ति जाहिर करते हुए लिखा कि समाजहित में सभी व्यक्ति समान होते हैं, अतः मिल बैठकर समाज को संगठित करने की दिशा में कार्य करना चाहिये। पंचायती नोहरे की मरम्मत व सुधार की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए आपने लिखा कि जितनी रकम अन्यत्र व्यय करने की योजना है, यदि वह इस पर व्यय की जाय तो स्थिति बेहतर हो सकती है। साथ ही आपने सुझाव दिया कि शिक्षा क्षेत्र में निवर्तमान महानुभावों की सेवाओं से यहां कोचिंग सेन्टर चालू किया जाना चाहिये।
- श्री कैलाश नारायण मोलावत ने विस्तृत पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि 24 दिसम्बर, 2000 को स्थानीय सुखाड़िया रंगमंच पर आयोजित भव्य सम्मान–समारोह के आयोजन हेतु अनेकानेक बधाई। सुझाव अग्रलिखित हैं–

(i) सम्मानित किये जाने वाले व्यक्तियों को अलग से पत्र द्वारा सूचित करना चाहिये।

(ii) 75 वर्ष से अधिक की आयु पर सम्मानित किया जाना ज्यादा बेहतर होता। पुरस्कृत या सम्मानित किये जाने वाले महानुभावों की सूची को वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा अन्तिम रूप दिया जाना चाहिये था। आलोचना योग्य पुरस्कार स्वीकार नहीं किये जाने चाहिये। साथ ही अचानक पुरस्कृत सम्बन्धी घोषणाएँ क्या उचित हैं? इस पर भी विचार किया जाना चाहिए।

आभार प्रदर्शन

भटनागर सभा के इस सामाजिक संगठन के सेवाकाल की अवधि का (तीन वर्ष यथा 1998–2001) समापन निकट है एवं यह अन्तिम सूचना – पत्र प्रेषित करते हुए यह आशा एवं विश्वास संजो रहा हूँ कि वर्तमान कार्यकारिणी ने जिस अथक परिश्रम, उत्साह एवं उमंग से इस संस्था को नवीन आयाम प्रदान किया है, उसे गतिशीलता एवं निरन्तरता प्रदान करने में सक्रिय मतदाता अपनी जागरूकता का परिचय प्रदान कर समाजहित में बहुमूल्य सहयोग करेंगे। सेवाकाल की इस अवधि में एक ओर जहां कार्यकारिणी एवं क्षेत्रीय प्रतिनिधियों का बहुमूल्य सहयोग बराबर मिला, वहीं सभी समितियों का यथासमय प्रयास प्रशंसनीय है, सलाह कार–मण्डल के माननीय सदस्यमणों का विशेष आभारी हूँ जिन्होंने अधिक व्यस्तता के बावजूद परामर्श एवं मार्गदर्शन किया। इस अवसर विशेष पर आप सभी परिजनों का मैं हृदय से आभारी हूँ कि सेवाकाल के दौरान विभिन्न अवसरों पर एवं कार्यकारिणी 'आपके द्वार' कार्यक्रम में मुझे एवं मेरे सहयोगियों को जो मान–सम्मान एवं आतिथ्य की अनुभूति हुई वह निस्सन्देह चिरस्मरणीय रहेगी। सूचना–पत्र के माध्यम से जब मैं अपने विचार आप तक पहुँचाने का प्रयास कर रहा हूँ तब सम्पादक–मण्डल का उल्लेख नहीं करना अशिष्टता होगी। विशेष रूप से डा. राजेन्द्र मोहन जी, श्री मोहन सिंह जी जालोरी एवं श्री विजय चन्द्र जी चोण्डावत का आभार व्यक्त करने के लिये मेरे पास शब्द नहीं है, लेकिन यह अवश्य कहना चाहूँगा कि सूचना–पत्र को बेहतर प्रस्तुति देने में जहां एक ओर डा. श्री बी.पी. भटनागर ने सदैव मार्गदर्शन किया वहीं इन महानुभावों भाषा सौष्ठव को सही अन्जाम देने में अत्यधिक परिश्रम एवं कड़ी मेहनत दर अंक दर अंक की। एक बात और, स्थानीय परिजनों ने जहां नवीन सदस्यता को ग्रहण करने में पहल की, विभिन्न कोषों में अनुदान वृद्धि में बहुमूल्य सहयोग किया। विशेष रूप से नवीन भूमि क्रय कोष में। उसके लिये सभी स्वजनों का आभारी हूँ। आप को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि विभिन्न कोषों की नवीनतम स्थिति से आपको यथाशीघ्र अवगत करने को प्रयासरत हूँ। स्थानीय परिजनों के साथ ही शहर के बाहर के संरक्षक एवं आजीवन सदस्यों का भी आभारी हूँ, जिन्होंने समय–समय पर उदयपुर प्रवास में अथवा दूरभाष द्वारा हमारा हौसला बढ़ाने में पहल की।

अन्त में अमेरिका में निवासरत डा. कुसुम पंचोली एवं डा. श्री सुनील पंचोली का मैं विशेष रूप से आभारी हूँ, जिनके सहयोग, मार्गदर्शन, पत्र–व्यवहार एवं दूरभाष द्वारा सदैव भटनागर सभा, उदयपुर के क्रियाकलापों में रुचि स्पष्टतया झलकती है, साथ ही समाज के उत्थान में उनकी रुचि प्रशंसनीय है। मेरे कर्म में उनका स्पष्ट विश्वास ही मुझे सेवाकाल पूर्ण करने को प्रेरित करता रहा। अन्ततः आप सभी स्वजनों के सहयोग के लिये कोटिः कोटि नमन।

आपका भवनिष्ठ
चित्रांश रमेश चन्द्र

अध्येत्तर एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं - बधाई

शतरंज

- श्री पंकज चोण्डावत – विजेता
- श्री रोहित गुहानिया – उप विजेता

केरम

- श्री विष्णु चवरवाल – विजेता
- श्री पंकज चोण्डावत – उप विजेता

निबन्ध

वरिष्ठ वर्ग

- श्री समीर भटनागर – प्रथम
- श्री अभिषेक नागोरी – द्वितीय
- श्री रोहित जालोरी – तृतीय

कनिष्ठ वर्ग

- सुश्री प्रियंका जालोरी – प्रथम
- श्री अजय भटनागर – द्वितीय
- सुश्री नेहा खेराड़ा – तृतीय

चित्रकला

वरिष्ठ वर्ग

- सुश्री श्रुति मोलावत – प्रथम
- श्री प्रवीण जालोरी – द्वितीय
- श्री रोहित जालोरी – तृतीय

कनिष्ठ वर्ग

- सुश्री हर्षिता जालोरी – प्रथम
- श्री सौरभ मोलावत – द्वितीय
- सुश्री अंकिता साचोरा – तृतीय

उप कनिष्ठ वर्ग

- सुश्री निकिता – प्रथम
- सुश्री खुशबू गुडेलिया – द्वितीय
- सुश्री कनिका खेराड़ा – तृतीय

सामान्य ज्ञान

वरिष्ठ वर्ग

- श्री अनुज भटनागर – प्रथम
- श्री प्रमित डाकोत – द्वितीय
- श्री अभिषेक नागोरी – तृतीय

कनिष्ठ वर्ग

- श्री उदित जालोरी – प्रथम
- श्री चित्रांश चोण्डावत – प्रथम
- सुश्री सुरभि मोलावत – द्वितीय
- सुश्री नेहा खेराड़ा – तृतीय

उप कनिष्ठ वर्ग

- सुश्री कनिका खेराड़ा – प्रथम
- श्री हर्षिता जालोरी – द्वितीय
- श्री मेहुल जालोरी – तृतीय

क्रिकेट

- श्री निशान्त नागोरी एवं साथी – विजेता टीम
- श्री विकास मोलावत एवं साथी – उप विजेता टीम

लम्बी कूद, वरिष्ठ वर्ग

- श्री निशान्त नागोरी – प्रथम
- श्री सचिन – द्वितीय
- श्री प्रतीक खेराड़ा – तृतीय

कनिष्ठ वर्ग

- श्री कीर्तेश जालोरी – प्रथम
- श्री उदित – द्वितीय
- श्री प्रतीक खेराड़ा – तृतीय

लम्बी दौड़, 100 मीटर

- श्री निशान्त नागोरी – प्रथम
- श्री मोहित जालोरी – द्वितीय
- श्री मनोज जालोरी – तृतीय

200 मीटर

- श्री निशान्त नागोरी – प्रथम
- श्री अंकुर नागोरी – द्वितीय
- श्री प्रतीक खेराड़ा – तृतीय

400 मीटर

- श्री निशान्त नागोरी – प्रथम
- श्री मोहित जालोरी – द्वितीय
- श्री मनोज जालोरी – तृतीय

अगस्त क्रान्ति

अगस्त क्रान्ति में हुए अमर शहीदों की याद में
श्रद्धा सुमन के साथ
पुनः उन स्वस्थ एवं समृद्ध बलिदानी
परम्परा के लिये समर्पण – अभिनन्दन अविराम।

बेडमिन्टन (सिंगल्स)

विजेता – श्री निशान्त
उपविजेता – श्री विकास नागोरी

टेबल टेनिस

विजेता – श्री विकास
उपविजेता – श्री गौरव जालोरी

10 वर्ष तक के बालक/बालिकाओं हेतु

कनिष्ठ वर्ग – दौड़ 100 मीटर

श्री कीर्तेश जालोरी – प्रथम
श्री अनूप गोरावत – द्वितीय
श्री लोवन कालावत – तृतीय

200 मीटर

श्री कीर्तेश जालोरी – प्रथम
श्री अनूप गोरावत – द्वितीय
श्री जय जालोरी – तृतीय

400 मीटर

श्री उदित जालोरी – प्रथम
श्री प्रतीक खेराड़ा – द्वितीय
श्री अकुंर नागोरी – तृतीय

फेन्सी ड्रेस, 0 – 5 वर्ष

सुश्री भवि – प्रथम
श्री गौरव – द्वितीय
सुश्री अनुष्का – तृतीय

5 – 10 वर्ष

सुश्री जैनी – प्रथम
श्री तनय – द्वितीय

श्रुति लेख प्रतियोगिता

सुश्री आस्था गुड़ेलिया – प्रथम
सुश्री नुपुर जालोरी – द्वितीय
सुश्री रिया खेराड़ा – तृतीय

एक मिनट

सुश्री सुरभि सांचोरा – प्रथम
सुश्री आस्था गुड़ेलिया – द्वितीय
सुश्री रिया खेराड़ा – तृतीय

उप कनिष्ठ वर्ग, 50 मीटर दौड़

श्री विनीत गोरावत – प्रथम
श्री अमोल जालोरी – द्वितीय
सुश्री रिया खेराड़ा – तृतीय

25 मीटर एक टांग दौड़

श्री अमोल जालोरी – प्रथम
श्री विनीत गोरावत – द्वितीय
सुश्री रिया खेराड़ा – तृतीय

25 मीटर चम्मच दौड़

सुश्री रिया खेराड़ा – प्रथम
सुश्री आस्था गुड़ेलिया – द्वितीय
श्री विनीत गोरावत – तृतीय

सहयोग की अभिलाषा

चुनाव घोषणा के परिप्रेक्ष्य में सक्रिय सदस्यता ग्रहण करने की अन्तिम तारीख – 30 अगस्त, 2001

श्रद्धांजलि

3.2.2001 श्री श्याम सुन्दर लाल जी पुत्र श्री अर्जुन सिंह जी (जहाजपुर)
10.4.2001 श्री चन्दुलाल जी भटनागर
8.5.2001 श्रीमती इन्दुबाला चोण्डावत पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र जी
28.6.2001 श्री लक्ष्मी नारायण जी कालावत पुत्र श्री प्यारेलाल जी
6.8.2001 श्रीमती कमला देवी नागोरी पत्नी श्री बसन्ती लाल जी

बुक पोस्ट

सेवामें,
श्रीमान / श्रीमती .....

.....

.....

समार्क सूत्र : **चित्रांश रमेश चन्द्र**, 38, मातृ आशिष, छोटी ब्रह्मपुरी, उदयपुर, दूरभाष : 487656 (दु), 527905 (नि.), **देवेश मोलावत**, 15, नानीगली, उदयपुर, दूरभाष : 416332 (नि.)

AGRAWAL PRINTERS, UDAIPUR, Tel. : 484242